

मामलुक राजवंश के बाद खिलजी राजवंश दिल्ली सल्तनत का दूसरा शासक राजवंश था। यह अपनी सैन्य विजय, दिल्ली सल्तनत के विस्तार और उल्लेखनीय शासकों के लिए जाना जाता है। खिलजी राजवंश के बारे में मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

1. उत्पत्ति:

- खिलजी राजवंश की स्थापना जलाल-उद-दीन खिलजी ने की थी, जो मामलुक राजवंश के अंतिम शासक को उखाड़ फेंकने के बाद 1290 ईस्वी में सिंहासन पर बैठा था।

2. Alauddin Khilji (1296-1316):

- अलाउद्दीन खिलजी, खिलजी वंश का सबसे प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण शासक है।
- वह अपने सैन्य अभियानों के लिए जाने जाते हैं, जिनमें दक्षिण भारत और दक्कन के अभियान भी शामिल हैं।
- अलाउद्दीन के शासनकाल में महत्वपूर्ण प्रशासनिक सुधार हुए, जिनमें घोड़ों के लिए "दाग" (ब्रांडिंग) प्रणाली की शुरुआत और खुफिया जानकारी एकत्र करने के लिए एक अलग विभाग की स्थापना शामिल थी।
- उन्हें कुतुब मीनार परिसर में एक भव्य प्रवेश द्वार, अलाई दरवाजा के निर्माण के लिए भी जाना जाता है।

3. विजय:

- अलाउद्दीन खिलजी ने सैन्य विजय के माध्यम से दिल्ली सल्तनत की सीमाओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया।
- उन्होंने गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों पर विजय प्राप्त की, जिससे सल्तनत उस समय भारत के सबसे बड़े साम्राज्यों में से एक बन गई।

4. प्रशासनिक उपाय:

- अलाउद्दीन ने राज्य को मजबूत करने के लिए कई प्रशासनिक उपाय लागू किये।
- उन्होंने बाजार सुधारों की शुरुआत की, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित किया और एक परिष्कृत खुफिया नेटवर्क की स्थापना की।

5. आर्थिक नीतियां:

- अलाउद्दीन अपने बाजार नियमों, विशेष रूप से "दीवान-ए-कोही" प्रणाली के लिए जाना जाता है, जिसका उद्देश्य कृषि उपज का उचित वितरण सुनिश्चित करना और जमाखोरी को रोकना था।

6. सांस्कृतिक प्रभाव:

- अलाउद्दीन के अधीन खिलजी राजवंश ने फ़ारसी संस्कृति और साहित्य को संरक्षण दिया।
- अलाउद्दीन खिलजी का दरबार कवियों, विद्वानों और कलाकारों से सुसज्जित था, जिन्होंने एक समृद्ध सांस्कृतिक परिवेश के विकास में योगदान दिया।

7. अस्वीकार:

- अलाउद्दीन खिलजी की मृत्यु के बाद, राजवंश को आंतरिक संघर्ष और कमजोर शासकों की एक श्रृंखला का सामना करना पड़ा।
- खिलजी राजवंश के पतन ने दिल्ली सल्तनत में तुगलक राजवंश के सत्ता में आने का रास्ता खोल दिया।

8. विरासत:

- खिलजी राजवंश को उसकी सैन्य उपलब्धियों और दिल्ली सल्तनत की क्षेत्रीय सीमाओं के विस्तार के लिए याद किया जाता है।
- अलाउद्दीन खिलजी के प्रशासनिक और आर्थिक सुधारों का दिल्ली सल्तनत के शासन पर स्थायी प्रभाव पड़ा।

खिलजी राजवंश, जिसके सबसे प्रमुख शासक अलाउद्दीन खिलजी थे, ने मध्ययुगीन काल के दौरान दिल्ली सल्तनत और भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके सैन्य अभियानों, प्रशासनिक नीतियों और सांस्कृतिक योगदान ने क्षेत्र में एक स्थायी विरासत छोड़ी।

